RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 15 | अंक : 178 | 28 अप्रेल, 2020 | मूल्य : 20/-

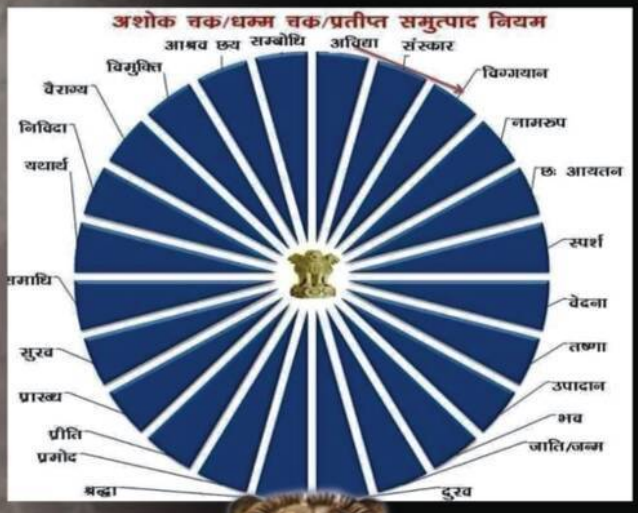

महान शासक सम्राट अशोक मौर्य

की जयंति पर समाज के सभी वर्गों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

कोरोना महामारी में समाज के दानदाताओं द्वारा किया गया आर्थिक सहयोग

भीम सिंह सैनी एवं श्रीमती उमा सैनी डायरेक्टर Devlok Saree, Jaipur ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में रु. 1,51,000 का योगदान किया

श्री दिनेश सोलंकी भोपालगढ़ के निर्देशन में संचालित DRK प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में 1,51,000 की राशि भेंट।

समाजसेवी श्री भगवान सिंह गहलोत ने अपने पिता स्व. ठेकेदार श्री गेन सिह गहलोत की स्मृति में मुख्यमंत्री कोष में रू. 1,25,000 का सहयोग किया

समाज की एक मात्र महिला विद्यायिका श्रीमती शोभारानी कुशवाहा की अपील पर समाज के दानदाताओं ने पीएम केयर फंड में रु1,51,000 रुपए का डीडी कलेक्टर धौलपुर को दिया।

श्री डुंगर सिंह सांखला (PHED) ने कोरोना महामारी रिलीफ फण्ड में रू. 1,21,000 का सहयोग किया।

युवा छात्र संघ नेता अभिषेक कच्छवाहा ने जन्मदिवस के अवसर पर समाजसेवी जसवन्त कच्छवाहा एवं पिता श्री संदीपजी की प्रेरणा से मुख्यमंत्री राहत को में किया रू. 1,11,111 का सहयोग।

सभी भामाशाहों का हार्दिक आभार अभिनंदन पुनीत सेवा कार्य हेतु

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831 Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

माली सैनी सन्देश

• वर्ष : 15 • अंक 178 • 28 अप्रेल, 2020 • • मूल्य : 20/- प्रति •

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय माननीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी/भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स/समाजसेवी)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद/ समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर/समाजसेवी)

सम्पादक की कलम से ...

माली सैनी समाज गौरवशाली समाज है। समाज द्वारा समाज बंधु हितार्थ अनेकों कार्य किये जा रहे है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को छात्रवृति, विधवा, असहायों के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है। जो कि सराहनीय ही नहीं प्रंशसनीय भी है। परंतु समाज के स्थानीय संगठनों द्वारा जरूरतमंद बंधुओं को अपेक्षित सहयोग नहीं प्राप्त हो रहा है। काफी लोगों को यह नहीं मालूम की कौनसी संस्था द्वारा किस रूप में सहयोग दिया जा रहा है। अत: स्थानीय सभा, तहसील सभा, जिला सभा, प्रदेश सभा अपने स्तर पर समाज बंधुओं को संगठन अथवा संस्थाओं द्वारा जा कार्य किए जा रहे है ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसाद कर जजरूरतमंद भाई/बहनों को सहयोग कराएं।

समाज में बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने की ओर हमें प्रयास करना चाहिए। आज विवाह संबधों में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस विषय पर गंभीरता से विचार करना होगा। हमारे समाज की अनेकों लड़के लड़कियां अन्य जातियों में विवाह कर रही है। यही नहीं आजकल समाज में तलाकें होकर विवाह विच्छेद हो रहे है इसमें कुछ सही होते है कोर्ट में अनेकों केस हो रहे है। जिसके कारण अनेकों परिवार विकट समस्याओं से जुझ रहे है। हमारे समाज को जो विकास होना चाहिए वो अन्य समाजों के मुकाबले नहीं के बराबर है हम मंचों पर बड़ी बड़ी बातों तथा भाषणों से समाज का भला नहीं कर सकते है। इसके लिए सब मिल कर सकारात्मक सोच से एक विचारधारा बना कर कार्य करे तो ही समाज आगे बढ़ पायेगा। हमें कुछ कर के दिखाना होगा समाज के आयोजनों में समाजबंधुओं को जोड़ना होगा सामाजिक आयोजनों में समाज के लोगों की भागीदारी दिन-ब-दिन कम हो रही है।

समाज के प्रत्येक बंधु को समाज की संस्थाओं से जोड़ना होगा ताकि वे भी अपनापन महसूस करें कि समाज के लोग हमारे बारें में चिंतनशील है। जब भी संस्थाओं की मीटिंग होती है लोगों के मन में यही भाव आता है कि कुछ होना नहीं है जा कर क्या करें। ऐसा विचार क्यों आता है क्योंकि संस्थाओं द्वारा कुछ विशेष कार्य जो कि समाज हित के है उन पर ध्यान नहीं दिया जाता है। जो संस्थाएं कार्य कर भी रही है उनकी जानकारी उनको नहीं है। जो सहयोग के पात्र है उन्हे सहयोग देने दिलाने की बात नहीं होती है।

समाज के सभी संगठनों, संस्थाओं के पदाधिकारियों से निवेदन है कि अपने अपने क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को सहयोग कराएं तथा उनकी हर समस्याओं का निराकरण में सहयोग करें। समाज की मीटिंग में अच्छे वक्ताओं से विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु टॉक शो कराएं, जिससे समाज के प्रत्येक बंधु उनके व्यक्तव सुन कर जागृत हो सके। इसके साथ ही सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी पेम्पलेट, समाचार पत्र, सामाजिक पत्रिकाओं के द्वारा घर-घर पहुंचाए। इसके साथ ही कार्यक्रम में किन किन विषयों पर चर्चा होगी इसकी जानकारी भी प्रदान करें। समाज हितार्थ कार्य करने वाले समाजबंधुओं को अधिक से अधिक समाज की संस्थाओं में शामिल करें। इस समस्या के निराकरण हेतु समाज के संगठनों एवं संस्थाओं के पदाधिकारी विचार कर इन बिंदुओं पर अमल करें जिससे समाज के प्रति लोगों का आदर भाव बना रहे तथा समाज को संगठित करने में सभी का सहयोग प्राप्त हो।

सामाजिक संगठनों से समाज की अपेक्षाएं...

मनीष गहलोत

Visit Us :
www.malisaini.org
www.malisainisandesh.com
www.mahatmajyotirao.org

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

देश भर में महात्मा ज्योति बा फूले की जयंति पर हुआ दीपोत्सव

महात्मा ज्योतिबा फूले जयंति पर अनमोल सेवा 2 लाख 51हजार रूपए मुख्यमंत्री सहायता कोष में महात्मा ज्योतिबा फूले विचार मंच, बगड व सैनी समाज झुन्झुनूं द्वारा :

बगड़। महात्मा ज्योतिबा फूले विचार मंच के संरक्षक महेन्द्र शास्त्री, संरक्षक सतीश सैनी व रामकिशन राजोरिया ने मंच द्वारा वाटसएप की अपील पर संग्रहित राशि कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम सहायता हेतु मुख्यमंत्री सहायता कोष में प्रदान की। संरक्षक महेन्द्र शास्त्री व सतीश सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि आज महात्मा ज्योतिबा फूले की 193 वीं जयंती है।

लॉक डाउन के चलते पूरा राष्ट्र ठहरा हुआ है। महात्मा फूले ने जीवन पर्यन्त दलिता, शोषितों, निराश्रितों, अभावग्रस्त, निर्धन,बेसहारा लोगों की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया। फूले विचार मंच महात्मा फूले को अपना आदर्श मानते हुए उनके बताये मार्ग का अनुसरण करता आ रहा है। इसी को मध्यनजर रखते हुए हमारे वाटसएप ग्रुप महात्मा ज्योतिबा फूले विचार मंच,बगड में एक अपील कोरोना वायरस संक्रमण सहायतार्थ की गई। उसी अपील के अनुसार समाज बन्धुओं ने दिल खोलकर आर्थिक सहयोग दिया। एक और जहां सरकार बार बार वाटसएप ग्रुपों पर पैसेज नहीं करने की चेतावनी दे रही है वहीँ हमने सिर्फ सकारात्मक सोच के साथ वाटसएप ग्रुप के माध्यम से नेट बैंकिंग द्वारा यह सहयोग राशि एकत्रित की है। महात्मा फूले की जयन्ती पर यह राशि मुख्यमंत्री कोष में अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल को भेंट कर मंच और सैनी समाज अपने आपको गौरवान्वित अनुभव कर रहा है।

इस सहयोग के लिए महात्मा ज्योतिबा फूले विचार मंच तथा सैनी समाज झुन्झुनूं साधुवाद का पात्र हैं जिन्होंने हमारी मुहिम में दिल से सहयोग किया। संरक्षक महेन्द्र शास्त्री ने बताया कि कि वाटसएप ग्रुप के माध्यम से इससे पूर्व भी अनेक बार जरूरत मंद,निर्धन समाज के लोगों के लिए पवित्र भावना से निस्वार्थ भाव से सहयोग किया है।

- **ज्योतिबा फूले जयंती पर घरों में जलाए दीप**

जोधपुर। मगरा-पूंजला में स्थित श्री सैनिक क्षत्रिय पूंजला नाडी संरक्षण एवं पर्यावरण विकास संस्थान की ओर से लॉकडाउन की पालना करते हुए महात्मा ज्योतिबा फूले की 193वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संस्थान के संयोजक राकेश सांखला और प्रदेश महामंत्री ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय जागृति मंच राजस्थान जगदीश देवड़ा ने बताया कि माली समाज के प्रेरणा स्रोत और समाज सुधारक महात्मा फूले की जयंती पर महामंदिर स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले पार्क पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात अखिल भारतीय महात्मा ज्योतिबा फूले समता परिषद के जिलाध्यक्ष जयंत सांखला के साथ गजेंद्रसिंह मेवाड़ा, हितेश कच्छवाह ने भी पुष्पांजलि की। पूंजला नाडी संस्थान के कार्यक्रम संयोजक राकेश सांखला ने बताया कि लोगों ने अपने घरों में दो-दो दीप जलाकर फूले को श्रद्धांजलि दी।

- **मालीसमाज 31 युवाओं ने किया रक्तदान**

जोधपुर। महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर माली युवा संगठन समिति की ओर से पारस ब्लड बैंक की मोबाइल वैन में मंडोर के 31 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। संगठन के अध्यक्ष पवन सोलंकी की अगुवाई में तीन चरणों में 100 से ज्यादा युवा रक्तदान कर चुके हैं। इस मौके पर अरविंद कच्छवाह, श्यामा देवी, रुचि गहलोत, पंकज देवी टाक, तरुण गहलोत, अनिता कच्छवाह, सरला देवी गहलोत, धीरज गहलोत, महेश गहलोत, जितेंद्र भाटी, राजीव पंवार, विकास भाटी, राजा गहलोत, नितेश गहलोत, राकेश कच्छवाह, मोहन, मोनू, विवेक, मयंक माली, मोती, प्रमोद, ईश्वर, नीरज गहलोत, मनन परिहार आदि उपस्थित थे। जिसमे मातृशक्ति एवम सन्तो ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया प्रशासन के नियमो के अनुसार सोशल डिस्टेंसिंग रखते हुए आगे भी इसी तरह आपातकालीन स्थिति में निरंतर रक्तदान किया जाने की बात संस्था के अध्यक्ष ने कही।

- **सामाजिक कार्यकर्ता मीना सांखला एवं धर्मेंद्र सांखला ने किया सफाई कर्मचारियों का सम्मान**

जोधपुर। समाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फूले के जन्मोत्सव के अवसर पर सामाजिक समरसता का निर्वहन करते हुये नगर निगम जोधपुर के सफाई कर्मचारी कोरोना वॉरियर्स योद्धाओं का सम्मान कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

- **दस हजार बिस्कुट के पैकेट वितरित कर मनाया फूले का जन्मदिन :**

पुष्कर। महात्मा ज्योतिबा फूले के आदर्शों व उनके बताये मार्ग पर चलने का प्रयास करते हुये उनकी 193वीं जयंती के उपलक्ष्य पर मालियान नवयुवक मंडल द्वारा कोरोना महामारी के बचाव के लिये लॉक डाउन से प्रभावित पुष्कर क्षेत्र में बिस्किट के दस हजार पैकेट तथा साबुन की दो हजार टिकिया का वितरण किया गया। पुष्कर क्षेत्र में अलग अलग टीम बना कर यह सामग्री वितरित की गई।

मण्डल के अध्यक्ष सूरज दग्दी, मुख्य सलाहकार अजय सैनी, सुखदेव प्रसाद मारोठिया, ताराचंद भाटी, आशीष तंवर, मनोज दग्दी, अमित, गणेश, दग्दी, गोपाल भाटी, भूपेन्द्र सिंगोदिया, नंदू उबाणा, राहुल उबाणा, खेमचन्द, गुलजार सैनी, मांगीलाल अजमेरा, नरेंद्र अजमेरा, लोकेश अजमेरा, सीताराम सतरावला, मोहित, किशन माली, शिवा भाटी, नरेंद्र माली, पवन टाँक, राधेश्याम इंदौर, नंदू कुँवाल, टीकम चौहान, हेमंत गहलोत, विनोद माली आदि के नेतृत्व में अलग अलग टीम बना कर सामग्री का वितरण किया गया।

- **राहत सामग्री मास्क वितरण कर मनाया फूले का जन्मदिनः**

जौनपुर। आज दिनांक 11 अप्रैल को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबाराव फूले की जयन्ती राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय परम कुमार सैनी जी के अपील पर पूरा प्रदेश अपने अपने घरों में अपने परिवार के साथ बहुत धूम धाम से मनाया माली समाज के द्वारा 11 दीपक जलाकर श्रद्धांजलि दी गयी ,प्रदेश अध्यक्ष श्याम सिंह सैनी के द्वारा महात्मा ज्योतिबाराव फूले के द्वारा समाज मे किये गए कार्यो पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला, प्रदेश संयोजक पप्पू माली के द्वारा मास्क व 11 गरीब परिवार को भोजन वितरित किया गया जिला अध्यक्ष जौनपुर अशोक कुमार सैनी प्रधान के द्वारा लोगों को भोजन व मास्क वितरित किया गया। जिला अध्यक्ष रामपुर अखिलेश सैनी के द्वारा मास्क, सूखा राशन, फल व दूध गरीबो में वितरित किया गया ,जौनपुर जिला वरिष्ठ प्रमोद कुमार माली के द्वारा लोगों को महात्मा ज्योतिबा फूले के विषय में जागरूक किया गया । इसके साथ ही अनेकों बंधुओं द्वारा गरीब, असहाय लोगों में भोजन, फल दूध व मास्क वितरित किए गये।

- **महात्मा ज्योतिराव फूले सामाजिक क्रांति संस्थान द्वारा आज 1000 पैकेट भोजन का वितरण।**

कोटा। सामाजिक क्रांति के जनक महात्मा ज्योतिराव 193 वी जयन्ती के अवसर पर माली समाज शिव मंदिर परिसर किशोरपुरा में स्थित महात्मा फूले प्रतिमा पर माल्यार्पण किया महात्मा ज्योतिराव फूले सामाजिक क्रांति संस्थान किशोरपुरा कोटा, की ओर से 1000 पैकेट निशुल्क भोजन वितरण किये कोरोना महामारी को देखते हुए गरीब अहसाय परिवारों को संस्था की ओर से प्रतिदिन 350 भोजन के पैकेट 2 अप्रैल से वितर किये जा रहे है। अध्यक्ष रुमुकेश बघेल ने बताया कि आज जयन्ती के उपलक्ष में 1000 पैकिट का वितरण किया गया महात्मा फूले देश के प्रथम समाज सेवक थे उन्होंने सत्य शोधक समाज की स्थापना की थी उन्होंने प्रथम बालिका स्कूल खोला था उन्होंने दलितों पिछडो के लिए संघर्ष किया था आज गरीब अहसाय गरीब परिवारों को माली समाज शिव मंदिर किशोरपुरा, बापू बस्ती कुन्हाड़ी ,सुभास नगर कच्ची बस्ती,नगर बम्बई योजना ,गोबरिया बावड़ी, आर के पुरम,बालाजी नगर ,में भोजन पैकिट वितरण किये इस कार्य के लिए मुख्य रूप से रामेस्वर जी सुमन सरपंच, स्कूल संथापक भीमराज जी शर्मा, मुकेश जी राय, ,सुनील गहलोत, देवराज सुमन, लष्मीचंद सुमन,भवानीशंकर धरतीपकड़, प्रताप सिंह हाड़ा, परमानंद सुमन का सहयोग रहा।

- **महात्मा ज्योतिबा फूले की 193वी जयंती पर घर घर से की पुष्पांजलि एवं असहाय लोगों को खिलाया भोजन**

जयपुर। कोरोना वैश्विक महामारी से लश्कक डाउन के कारण युग प्रणेता व उन्नीसवीं सदी के महानायक महात्मा ज्योतिबा फूले की 193वीं जयंती प्रदेश भर में घर से ही पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मांगीलाल पंवार,उपाध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी द्धअध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभाऋ ओंकारा राम कच्छवाह, चेयरमैन महासभा सहित अन्य पदाधिकारियों ने घर से ही पुष्पांजलि अर्पित की। संस्थान जयपुर के जिलाध्यक्ष भवानी शंकर माली की और से महेश नगर स्थित विजय कुंज मैरिज गार्डन में प्रातः 9 बजे महात्मा ज्योतिबा फूले के चित्र पर पदाधिकारियों के साथ सोशल एक्सटेंशन का ध्यान रखते हुए पुष्पांजलि कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। जयपुर कार्यकारणी की ओर से सायं 5 बजे 1000 लोगों को भोजन के पैकेट दिये। संस्थान के पदाधिकारियों को सरकार की एडवाइजरी का पालन करते हुए व सोशल डिस्टेंसिग का ध्यान रखते हुए स्वयं ने भोजन बनाया। उपाध्यक्ष श्रीमती संतोष सैनी (शौर्य संस्था), सचिव मोहन कमोदिया, विमला सरपंच, राकेश माली, दामोदर तंवर, ज्ञानचंद, सचिन प्रकाश, हेमंत, टेकचंद आदि ने सहयोग किया।

- **प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई फूले जयंति :**

भीलवाड़ा। महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की 193वीं जयंती के अवसर पर फूले सेवा संस्थान के तत्वावधान में 11 अप्रेल, शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले मूर्ति पर माल्यार्पण कर नमन करते हुए भक्ति भाव और निष्ठा पूर्वक प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई गई। जयंति पर आज कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए संयम, सेवा, संकल्प, सावधानी, बचाव, सामुदायिक दूरियां बरत कर एकल-एकल सामाजिक पुरोधा फूले को याद किया गया। फूले सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोपाल लाल माली ने बताया कि आज सुबह 8 बजे फूले के चार अनुयायी लक्ष्मण सरिवाल, मोहन माली, सम्पत बुलिवाल, प्रकाश तुन्दवाल ने महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शांतिपूर्वक नमन किया। शेष सभी फूले के अनुयायियों ने अपने-अपने घरों में महात्मा फूले के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताए गए रास्तों पर चलने का संकल्प लिया।

वही शाम 6 बजे फूले के अनुयायियों द्वारा घर-घर में आस्था के मंगल दीप जलाए गए। ज्ञातव्य हो कि जयंति समारोह किसी भी रूप में सार्वजनिक तौर पर आयोजित नहीं किया गया। गोपाल लाल माली ने सामाजिक जनों से अनुनय करते हुए कहा है कि इस जंयति के अवसर पर हमें महात्मा ज्योतिबा फूले के बताए रास्तों पर चलकर कोरोना जैसी महामारी के निर्मूलन, जरूरतमंदों की सेवा और सरकारी दिशा निर्देशों, स्वास्थ्य मापदंडों का पालन करना चाहिए। तभी सही मायने में महात्मा ज्योतिबा फूले को सच्ची श्र)ांजलि समर्पित होगी।

कोरोना महामारी में देश भर में समाज के भामाशाहों, संस्थाओं यवाओं एवं विभिन्न वर्गा द्वारा किया जा रहा है अपूर्व योगदान

इस संकट की घड़ी में देश के संपन्न परिवारों के सदस्यों और स्वयंसेवी संस्थाओं से जो आव्हान किया था उनका देशभर में समाज के द्वारा बेहतरीन तरीके से अनुसरण किया जा रहा है और यह सेवाकार्य ही समाज की अपणायत और प्रेम को दर्शा रहा है, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा कोई भी भूखा न सोए के आव्हान पर बहुत सारी स्वयंसेवी संस्थाएं निरंतर इस लॉक डाउन में जरूरतमंदों तक भोजन वितरण कर रही है।

संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज स्मारक विकास संस्थान, अमरपुरा, नागौर द्वारा 40 हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था :

नागौर। विश्व भर में छाए कोरोना वायरस के कारण से हमारा भारत देश संघर्ष कर रहा है । पूरे भारत देश में लोकडाउन की स्थिति के कारण से जरूरतमंद व गरीब परिवार, मजदूर वर्ग के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हुआ है। संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज स्मारक विकास संस्थान, अमरपुरा, नागौर द्वारा भामाशाहों व सेवाभावी बंधुओं के सहयोग से 24 मार्च से ही समाज के ऐसे परिवारों को सहयोग किया जा रहा है। संस्थान द्वारा 24 मार्च से लेकर 6 अप्रैल तक 1000 से अधिक खाद्य सामग्री के किट जरूरतमंद बंधुओं को प्रदान किए गए हैं। एक किट में 40 आदमियों के भोजन की व्यवस्था इसमें की गई है जिससे करीब 40 हजार लोग भोजन कर सकते हैं।

संस्थान के अध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि समाज के बंधुओं व संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज के विचार व उनके चरित्र पर श्रद्धा रखने वाले बंधुओं के कारण यह सब संभव हुआ है। अनेक बंधुओं द्वारा अनाज और सब्जी इन परिवारों के निमित्त संस्थान को प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी आपका इसी प्रकार से सहयोग बना रहे ताकि हम सभी संस्थान के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों की सेवा व सहयोग के पवित्र कार्य को कर सकें। संपूर्ण भारत में संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज के सभी भक्तों से मेरा यह निवेदन है कि अपने आसपास किसी भी स्थान पर किसी भी जरूरतमंद परिवार की सेवा व सहयोग अवश्य करें तभी हम सब सच्चे अर्थों में गुरु महाराज के अनुगामी अपने आप को कह सकेंगे।

वर्तमान स्वास्थ्य व चिकित्सा स्थिति को देखते हुए सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान तीनों गांव, नागौर अध्यक्ष श्री रामस्वरूप पंवार के द्वारा प्रशासन निर्देशानुसार एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था पीड़ितों के लिए प्रशासन की योजना के अनुसार नि: शुल्क उपलब्ध रहेगी।

भारत सेवा संस्थान के माध्यम से हजारों लोगों को दिए जा रहा है भोजन के पैकेट :

जोधपुर। भारत सेवा संस्थान के संस्थापक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओदश अनुसार जरूरतमंदों को विभिन्न क्षेत्रों में भोजन पैकेट का वितरण संस्थान के द्वारा किया जा रहा है। संस्थान के ट्रस्टी जसवंत सिंह कच्छवाह ने बताया कि प्रभारी नरपतसिंह कच्छवाह के नेतृत्व में करीब 35000 भोजन के पैकेट बांटे जा चुके है। यह पैकेट शहर के अनेकों क्षेत्रों में वितरित किए जाते है। जिसकी पूरी जानकारी मुख्यमंत्री को भी दी जाती है तथा मुख्यमंत्री स्वयं व्यवस्थाओं को जांचने एवं क्षेत्रवार प्रतिनिधियों से यहां से भोजन पैकेट प्राप्त करने के लिए कहते है। इस कार्य में राककिशोर पुंगलिया, संतोष चौहान, दिव्यांशु कच्छवाह, संतोष मिस्त्री, धीरेन्द्र भाटी प्रमोद, कमलेश टाक सहित समस्त कर्मचारीगण सेवाएं दे रहे है।

श्री सती माता सेवा समिति द्वारा अब तक 80 हजार जरूरतमंद लोगों को भोजन पैकेट वितरित :

जोधपुर। श्री सती माता सेवा समिति, बगतों जी का बेरा, चेनपुरा मण्डोर धार्मिक संस्था द्वारा प्रतिदिन 3500 से अधिक लोगों के भोजन की व्यवस्था की जा

रही है। समिति के अध्यक्ष भारत सिंह कच्छवाहा ने बताया कि बाबा रामदेव जी एवं अश्वशक्ति बाई सा मण्डला धाम के आशर्वाद से 22 मार्च से भोजन पैकेट बनानें का कार्य शुरू किया था जिसमें पहले दिन करीब 200 पैकेट से शुरूआत की थी जो सर्व समाज के भामाशाहों एवं दानदाताओं के सहयोग से 25 मार्च, 20 को 3500 पैकेट प्रतिदिन तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आव्हान एवं पूर्व जेडीए चैयरमेन राजेन्द्र सोलंकी के निर्देशन में आरंभ किए गए भोजनशाला में करीब 1 महीनें से लगातार भोजन पैकेट बनाकर सुबह शाम 75 वर्षीय लिखमाराम कच्छवाहा के मागदर्शन में मण्डोर क्षेत्र में रहने वाले मजदूरों, गरीबों के साथ पाकिस्तानी विस्थापितों को भोजन पैकेट वितरित किए जा रहे है अब तक समिति ने 80 हजार पैकेट भोजन का वितरण किया है और यह सेवा लॉक डॉउन समाप्त होने तक जारी रहेगी।

समिति द्वारा संपूर्ण मण्डोर क्षेत्र, रावटी, मगजी की घाटी, शंकर मठ गौशाला, नौ मिल क्षेत्र में करीब 500 पैकेट मण्डोर पुलिस थाना के माध्यम से भेजे जा रहे है। इसके अलावा भी किसी भी क्षेत्र से फोन आने या प्रबुद्धजनों के द्वारा सुचना देने पर स्वयंसेवकों द्वारा भोजन के पैकेट पहुंचाए जा रहे है। इस पुनित सेवा कार्य में

बगताराम जी का बेरा, बनावता, बिलपत्र का बेरा, मण्डावता आदि क्षेत्र से सेवाभावी महिलाएं एवं पुरूष के साथ युवाओं द्वारा दिन रात भोजनशाला में पैकेट बनाने का कार्य किया जा रहा है।

इस भोजनशाला के लिए सर्व समाज के दानदाताओं एवं भामाशाहों द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है साथ ही सब्जी मण्डी, भदवासिया से प्रतिदिन नि:शुल्क सब्जियां भी प्राप्त हो रही है। यहां प्रतिदिन दिए जाने वाले पैकेटों का पूर्ण हिसाब भी क्षेत्रवार रखा जा रहा है चाहे व्यक्ति 1 पेकेट ले जाएं या अधिक हर व्यक्ति महिला द्वारा ले जाएं जा रहे पैकेटों की जानकारी रखी जा रही है।

इस पुनीत कार्य का नेतृत्व कर रहें अध्यक्ष भारतसिंह कच्छवाहा ने बताया कि संस्था के कोषाध्यक्ष संपत सिंह भाटी, भण्डारा संचालक जयसिंह गहलोत, दोलजी गहलोत पुजारी के साथ ही प्रतिदिन कमलेश परिहार, शेरसिंह चौहान, नृसिंह कच्छवाहा, अरूण कच्छवाहा, श्रीमति मंजूदेवी, श्रीमति वैजयंति माला, श्रीमति संजू कच्छवाह, श्रीमति नैनी मौसी, श्रीमति राधादेवी, श्रीमति चंदयादेवी द्वारा प्रतिदिन सेवाएं दी जा रही है। सभी स्वयं सेवकों द्वारा मानवता के इस पुनित कार्य में उच्ष्ट सेवाएं देने वाले कार्यकताओं, दानदाताओं, भामाशाहों का समिति हृदयतल से धन्यवाद आभार प्रकट करती है।

समाज सेवी एवं जोधपुर भवन ट्रस्टी नरपत सिंह सांखला द्वारा नि:शुल्क भोजन एवं आर्थिक सहायता :

जोधपुर। कॉन्ट्रैक्टर, भामाशाह आल राजस्थान दुकानदार संघ के जोधपुर अध्यक्ष नरपत सिंह सांखला ने बोरानाडा, बासनी, हड्डी मिल में रह रहे कंपनी के तकरीबन 80 लेबर की भोजन एवं आवश्यक सामग्री संबंधित सारी व्यवस्था स्वयं की, साथ ही आसपास रहने वाले अन्य लेबर को सामान मुहैया करवाया। इसके साथ ही आस-पास रहने वाले कुछ लोग जो दान नहीं लेना चाह रहे थे उनको दुकान से डायरेक्ट सामान दिलवा दिया और उन्हें सुविधा होने पर पेमेंट देने की सहूलियत भी दी। इसके अलावा सेवा कार्य करने वाली 4सामाजिक संस्थाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान की।

डॉ दुर्गा शंकर सैनी प्रदेश उपाध्यक्ष आई एम ए राजस्थान एवं उनकी टीम ने हजारो लोगों की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया :

कोटा। महाराव भीम सिंह चिकित्सालय, कोटा में 70 सफाई कर्मचारियों को गर्म भोजन व आइसोलेशन वार्ड , आई एल आई आउट डोर में मरीजो के लिये शु) पानी के कैंपर उपलब्ध करवाए। साथ ही 700 जरूरतमंद को भोजन वितरण किया अब तक 5000से अधिक जरूरत मंद को भोजन वितरण व एम बी एस के मरीजो को शुद्ध पानी उपलब्ध कराया है। डॉ. दुर्गा शंकर सैनी अपने रामपुरा स्थित निवास में स्वयं 28दिन के होम कोरेनटाइन है पिछले 5 दिन में दूरभाष पर सेकड़ो मरीजो का सलाह और इमरजेंसी मरीजो को अन्य प्राइवेट चिकित्सालयो में ई एस आई योजना के माध्यम से निशुल्क इलाज में सहयोग भी दे रहे है।

मूक पशुओ, जानवरों और पक्षियों की सेवा करने वाले 75 वर्षीय मालाराम माली की अनुठी सेवा :

बालोतरा। नर सेवा नारायण सेवा मानी जाती हैं और मानव सेवा को हर कोई आगे आना चाहता हैं लेकिन पशुओं और जानवरों की सेवा हर कोई नही कर सकता हैं लेकिन बालोतरा में मालाराम माली एक ऐसा नाम हैं जो मूक पशुओ, जानवरों और पक्षियों की सेवा करना अपना परमधर्म मान रहे हैं। बालोतरा शहर के गांधीपुरा की संजय कश्वलोनी में रहने वाले 75 वर्षीय मालाराम माली अल सवेरे जल्दी उठके बाद गलियों में घूम-घूम कर घरों से रोटियां एकत्रित कर गलियों में घूम रही गायों व कुतो को रोटियां डाल रहे हैं साथ ही कबूतरों व अन्य पक्षियों को दाना पानी मुहैया करवा रहे हैं। पिछले 50 सालों से यह कार्य निरंतर कर रहे हैं।

शादियो व सामाजिक कार्यक्रमों का बचा हुआ भोजन भी ले आते माली मालाराम माली सेवा के प्रति इतने गंभीर हैं कि माली समाज में होने वाले शादी समारोह व अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में पिछे जो भोजन रह जाता हैं वो भी आयोजकों से मांग कर पशुओं की सेवा में खपा देते हैं, यहां तक की थालियों में झूठा रहने वाला भोजन भी उठा कर अलग करते हुए गलियों में घूम रहे गायो व कुतों में साथ गौशालाओं में पहुंचा देते हैं। इनके सेवा के जज्बे को देखते हुए माली समाज भी इनकी भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए सेवा में सहयोग दे रहे हैं।

लॉक डाऊन में माली की मुहिम को मिला बल

पिछले 50 सालों से पशु सेवा में जुटे मालाराम माली की सेवा लक्षक डाऊन में सबसे कारगर साबित हो रही हैं। लक्षक डाऊन के चलते गलियों में घूमने वाले मवेशी और कुतों के सामने भोजन का संकट हैं ऐसे में मालाराम माली उनके लिए फरिस्ता बन कर आगे आये हैं। अभी भी मालाराम आमदिनों की तरह ही सेवा मे जुटे हुए हैं।

इस संबंध में मालाराम माली का कहना हैं कि समाज और आमजन के सहयोग से इस काम को कर रहां हूं, मुझे सेवा करने में आनंद आता हैं जब तक जिंदा रहूंगा तब तक यह सेवा का काम निरंतर जारी रखूंगा।

लॉक डाउन में प्रतिदिन दूर दराज गौ माता की सेवा करते कामधेनु सेना के प्रदेश संयोजक नृसिंह गहलोत की अनुपम सेवा :

जोधपुर। विश्वस्तरीय गौ चिकित्सालय नागौर के संस्थापक 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कुशलगिरी जी महाराज की प्रेरणा से कामधेनु सेना राजस्थान प्रभारी युवा नरसिंह गहलोत द्वारा युवा मित्र मण्डल, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में वॉटसप ग्रुप बनाकर भामाशाहों के ऑन लाईन जनसहयोग से रोजाना सोडों की ढाणी व केरू में 350 किलो बाजरी के सोगरे बनाकर खिलाये जा रहे हैं। धारा 144 की पालना करते हुए कुल छोटी छोटी 10 टीमें बनाई गई जो सोडों की ढाणीं, रूपावतों का बेरा, कालीबेरी, भूरीबेरी, चोपड़,हनुमान जी बाड़ियाँ ,भाटी पि फार्म केरू रोड़, बीरमपुरी व देवरियां केरू बालसमंद कायलाना बडली चौखां, 12 मील, चावुमगरा, नारवा, भीमभडक गुफा, निंबा निंबडी, बैरी गंगा, दईजर गुफा, जोगी तीर्थ दईजर में सुबह जल्दी 7 बजे से 8 बजे

तक सेवा देते हैं एक टीम में सिर्फ 2 सदस्य ही बाईक व स्कूटी पर निकलते है और सभी मुँह पर मास्क क रूमाल बाँध कर निकलते है और एक दुसरे से दुरी बनाये रखते है और वापस घर पर आकर हाथों को सेनेटाईज कर रहे है।

वायरस न फैले इसके लिए दानदाताओं से भी फोन पर ही बात करके ऑनलाईन सहयोग ले रहे है और सिर्फ अनाज व सामान ही इक्कठा कर रहे हैं। इनके द्वारा किसी से भी नकद सहयोग नहीं लिया जा रहा हैं और बाहर से सहयोग करने करने वाले भामाशाहों के लिए सीधे दुकानदार के खाते में पैसा डलवा रहे है जहाँ से मंडी रेट पर सामान दिया जा रहा हैं।

नरसिंह गहलोत ने बताया कि यह सेवा लगातार 24 मार्च से जारी और साथ ही आस पास कच्ची बस्तियों में रह रहे खान मजदूर परिवारों में सदस्यों के हिसाब से गेंहू का आटा और गायों के लिए हरा चारा (रिजगा) भी वितरित किया जा रहा है इस संकट की घड़ी में सहयोग करने वाले भामाशाहों व दानदाताओं का हार्दिक आभार व धन्यवाद प्रकट किया है नरसिंह गहलोत एवं उनकी टीम द्वारा सेवा का अनुपम कार्य दिन रात बिना थके किया जा रहे है आज की युवा पीढ़ी में गौ एवं मुक पशुओं के लिए सेवा की भावना अति प्रशंसनीय है हम सभी इनके आभारी हैं।

माली समाज की पहल पहले जरूरतमंदों के लिए खाना तैयार कर घरों में पहुंचाते, फिर खुद खाते भोजन :

जालोर। कोरोना वायरस के बाद लक्षक डाउन की घोषणा होने के बाद जरूरतमंद कई परिवारों के सामने राशन सामग्री को लेकर संकट आ गया हैं। ऐसे में जिला मुख्यालय समेत आसपास के ग्रामीण इलाकों में जरूरतमंदों लोगों की मदद के लिए माली समाज द्वारा भोजन किट पहुंचाया जा रहा हैं। माली समाज के युवाओं की टीम द्वारा अपने हाथों से भोजन को तैयार कर जरूरतमंदों के लिए घर-घर जाकर राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं। जानकारी के अनुसार प्रतिदिन समाज के लोगों द्वारा खुद अपने हाथों से तैयार कर खाना बनाती हैं, उसके बाद पैकेटों में पैक कर हर घर-घर जाकर वितरण कर रहे हैं।

समाज के युवा साथियों ने अपनी एक युवाओं की टीम तैयार कर पिछले 25 मार्च 2020 से आज तक करीब 28 दिनों से लगातार खाने के पैकेट बनाकर पहुंचा रहे हैं जिसमें जरूरतमंद लोगों वह असहाय दिहाड़ी मजदूर कच्ची बस्तियों में जाकर मजदूर वर्ग से है उन लोगों के घर घर जाकर करीब 400 सुबह खाने के पैकेट व शाम को 400 खाने के पैकेट दोनो टाइम खाने के 800 खाने के पैकेट घर घर है पहुंचा रहें। माली समाज की युवा टीम इस दुख की घड़ी में हर जरूरतमंद लोगों को भोजन की सहायता के लिए अपना पूरा पूरा प्रयास कर रहे हैं वह भोजन के पैकेट भी पहुंचा रहें हैं।

माली समाज के युवा योद्धा पार्षद विक्रम सोलंकी एडवोकेट रमेश सोलंकी, प्रकाश मिस्त्री, नारायण सोलंकी, ओम सुदेशा, देशा राम माली, व माली समाज के तमाम युवाओं को मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि इस कोरोना वायरस महामारी के समय इस दुख की घड़ी में मददगार बनकर आगे आए मैं एक बार पुनः सभी माली समाज के युवाओं को दिन रात इस पुनीत कार्य में लगे रहने पर मैं बहुत बहुत बधाई शुभकामनाएं देता हूं आप आगे भी इसी तरह पुनीत कार्य करते रहें।

जय दादा भैरव सैनी धर्मशाला मुंडका में 1 अप्रेल से भंडारा चालू कर दिया गया :

नई दिल्ली। मुंडका दिल्ली सैनी धर्मशाला में 15 अप्रैल तक लोक डाउन किया हुआ है उसमें सभी गरीब व्यक्तियों को भोजन (भंडारा) निशुल्क कराया जा रहा है जिस किसी भाई के पास खाद्य सामग्री नहीं है वह धर्मशाला में आकर निशुल्क भोजन ग्रहण कर सकता है। अगर कोई भाई विकलांग है आने में असमर्थ है तो दिए गए नंबरों पर संपर्क करने पर उसका भोजन उनके घर ही पहुंचा दिया जाता है।

नगर परिषद् बालोतरा की उपसभापति श्रीमति हेमलता नेनाराम सुन्देशा द्वारा प्रतिदिन 500 पैकेट का हो रहा है वितरण:

बालोतरा। कोरोना कोविड-19 बीमारी महामारी का रूप ले चुका है, तथा लोकडाउन 21 मार्च से लेकर 14 अप्रेल तक था। अब लोक डाउन2 15 अप्रेल से प्रारंभ हो चुका है। लोकडाउन 1 से लेकर आज तक नगर परिषद बालोतरा की उपसभापति श्रीमति हेमलता नेनाराम सुन्देशा के प्रतिनिधि नेनाराम सुन्देशा द्वारा स्वयं के स्तर एवं भामाशाहो के सहयोग से अपने साथियों के साथ मिलकर कच्ची बस्ती में भोजन के 500 से 600 पैकेट वितरण कर रहे हैं । साथ ही बच्चो को पारले बिस्कुट का वितरण किया जा रहा है। नेनाराम सुन्देशा का एक ही उद्देश्य है कोई भी इंसान भूखा ना सोये तथा आप सभी भाई लोग एक दूसरे का सहयोग करें।

घर घर खाना पहुचाने के लिए कार्य कर रही है टीम ओ. पी. सोलंकी :

तिंवरी। समाज के युवा द्वारा शुरू हमारा समूह जिसके लिए कई भामाशाह द्वारा आर्थिक सहयोग से प्रत्येक दिन 1000 फूड पैकेट वितरण किये जा रहे है। मथानियाँ के युवा ओ.पी. सोलंकी एवं उनके साथियों द्वारा लॉकडाउन से लगातार प्रतिदिन लगभग 1300 टिफिन मथानियाँ सहित आस पास क्षेत्र के सभी गांवों में अति जरूरतमन्द परिवारों को भोजन बनाकर देने का कार्य किया जा रहा है। कैंप जहां पर जरूरतमंद व्यक्तियों के भोजन बनाने का कार्य चल रहा है जब से देश में जब लोकडाउन शुरू हुआ है तब से लेकर अब तक 1 महीने में लगभग 30,000 से अधिक व्यक्तियों तक खाना पहुंचाया है टीम ने यहीं नहीं मथानिया परिक्षेत्र और आसपास के 20 किलोमीटर क्षेत्र तक जरूरतमंद व्यक्तियों तक हमेशा सुबह-शाम खाना पहुंचाने का कार्य किया है जिसमें दूसरे राज्यों के फंसे हुए मजदूर भी शामिल है, टीम ओ. पी. सोलंकी ने घर पर निर्मित होममेड आयुर्वेदिक सैनिटाइजर कि लगभग 5000 से अधिक बोतल पूरे गांव में निःशुल्क वितरित की है यह राजस्थान का एकमात्र गांव है जहां होममेड आयुर्वेदिक सैनिटाइजर गांव में निःशुल्क वितरित किया है इस टीम ने पूरे गांव को भी सैनिटाइज भी किया है।

टीम ने पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में बेजुबान पशु पक्षियों का ध्यान रखते हुए पशुओं के लिए पानी की होदिया पानी के टैंकरों के माध्यम से भरी है और बड़ी मात्रा में पशुओं के चारे की व्यवस्था भी की है इस टीम में मथानिया क्षेत्र के काफी

युवा कार्य कर रहे है। वहां पर सरकार द्वारा कोरोना वायरस के संबंध में जो दिशा निर्देश जारी किए गए हैं पूर्ण उसकी पालना भी हो रही है चाहे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना हो चाहे मास्क लगाना हो। संकट की घड़ी में जरूरतमंद परिवारों ,व्यक्तियों, पशु पक्षियों और गांव वालों की मदद कर रहे युवा ओ. पी. सोलंकी और उनकी टीम के लिए उम्मीद करता हूं कि जब तक देश में कोरोना का संकट रहेगा तब तक आपऔर आपकी टीम इसी तरह कार्य करते रहेंगे मैं आपके और आप की पूरी टीम के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

छात्र नेता बबलू सोलंकी बांट रहे राशन सामग्री :

तिंवरी। समाज के युवा छात्र नेता बबलू सोलंकी द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना वायरस मे सभी के जन सहयोग से शहर और तिंवरी में जरूरतमंदों को राहत सामग्री मुहैया करवा रहे है। इसके अलावा मेडिकल सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही है। बबलू सोलंकी ने बताया कि अबतक रोजाना 20 से 25 परिवारों को खाद्य सामग्री के किट बांटे जा रहे है जिसमें दस किलो खाद्या सामग्री के साथ साबून व अन्य रोज उपयोग में ली जाने वाली सामग्री भी है। अब तक उन्होंने अपने परिजनों की प्रेरणा से जोधपुर में 500 और तिंवरी में 400 जरूरतमंदों को राशन सामग्री वितरित की है। दूसरे राज्यों के मजदूर जो जोधपुर शहर आसपास के क्षेत्रों में फंसे हुए हैं उनके लिए माली युवा संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता अरविंद कछवाह के माध्यम से 70 से अधिक किट जोधपुर भेजे गए साथ ही फॉर्म हॉउस से हरी सब्जियां भी भेजी। इसके साथ ही गौ सेवा का कार्य भी कर रहे है।

कृषक बंशीलाल कच्छावाह ने अपने खेत के पूरे अनाज को जरूरतमंदों में बांटा :

तिंवरी। समाज के भामाशाह बंशीलाल कच्छवाह ने अपने खेत के पूरे अनाज को कोरोनो आपातकाल में असहाय लोगो को डोनेट किया। बंशीलाल कच्छवाह के द्वारा किए गए पुनीत कार्य के लिए सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए उनका हार्दिक आभार प्रकट किया। ईश्वर हमेशा आपको और आपके परिवार को स्वस्थ एवं खुश रखे।

लॉक डाउन के तहत रेस्टोरेंट बंद करना पड़ा तो जुटे जरूरतमंदों की सेवा में :

जोधपुर। लॉक डाउन के कारण समाजसेवी होटल व्यवसायी कैलाश गहलोत को जब रेस्टोरेंट बंद करना पड़ा और कुक बेकार हो गए तो कैलाश गहलोत ने अपनी पत्नी अमिता गहलोत व दोस्तों के साथ मिलकर जरूरतमंदों को भोजन कराने का जिम्मा उठाया और रोजाना सुबह शाम 500 से ज्यादा लोगों को टिफिन में भोजन उपलब्ध करवाना शुरू कर दिया। इसमें उनके दोस्तों ने भी मदद की।

कैलाश गहलोत ने बताया कि मण्डोर क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का सर्वे कर वास्तविक जरूरतमंदों की सेवा में पिछले महीने की 25 मार्च से 110 से ज्यादा गरीब असहाय परिवारों को 500-500 कुल 900 लोगों को सुबह शाम दोनों वक्त का भोजन ऋषि रेस्टोरेन्ट मंडोर पर उपलब्ध करवाया इस कार्य मे उनके परिवार के सभी सदस्य हाथ बंटा रहे हैं। इस प्रकार समाजसेवा के साथ ही रेस्टोरेंट के स्टाफ को भी कार्य मिल गया। इस प्रकार से समाज के दम्पति ने अपने दोस्तों को सेवा के लिए प्रेरित कर सैकड़ों लोगों को भोजन उपलब्ध करा पुण्य का कार्य किया है, हम सभी आपके आभारी है।

भोजपुरी अभिनेत्री अर्पिता माली ने की गरीबों की मदद :

लखनऊ। लॉकडाउन के दौरान जुग्गी-झोपड़ी में गुजर बसर करने वाले गरीब मजदूरों और ढ़ेले खुमचे वालों को भोजन और राशन पहुंचाने में जुटी समाजसेवी संस्था एडेज मोई फाउंडेशन संस्था, मुम्बई की अभिनेत्री ने 1,51,000 रूपए का चैक भेंट किया। अर्पिता माली ने बताया कि संस्था ऐसे संकट से निपटने के लिए जो कार्य कर रही है उसी से प्रेरित होकर उन्होंने यह धनराशि उपलब्ध कराई है। उनका कहना है हर नागरिक का कर्तव्य है की आस पास रहने वाले गरीब परिवारों की यथा संभव मदद करें।

आर्य समाज प्रतिदिन 200 देहातियों को भोजन दे रहे हैं :

जोधपुर। मंदिर महर्षि पाणिनि नगर पूंजला जोधपुर के प्रधान कैलाश चंद्र आर्य ने बताया कि सभी दानदाताओं के सहयोग से यह कार्य लगातार हो रहा है। हम सैकड़ों लोगों को आवश्यकता अनुसार भोजन सामग्री रोजाना दे रहे हैं।

ज्योतिबा फूले संस्थान द्वारा दी जा रही है सामग्री :

रतनगढ़। कोरोना आपदा के चलते लोकडाउन मे रतनगढ के समाज सेवी गोविंद प्रसाद मटावा और मनोहरलाल, घनश्यामज बालाण के प्रेरणा और

शेष पेज.. 17

कोरोना महामारी में समाज के युवा कोरोना वारियर्स

नेरोबी में डॉ. प्रकाश चंद सैनी कर रहे है लीडः

श्रीमाधोपुर। हांसपुर ग्राम पंचायत की लालावती ढ़ाणी निवासी डॉ. प्रकाश चंद सैनी सर्टिफिकेट ऑन कोविड-19 अवेयरनेस एण्ड मैनेजमेंट कोर्स ऑनलाइन कर नेरोबी में कोविड-19 की टीम को लीड कर रहे है

डश्व प्रकाश चंद सैनीं पिछले 10 वर्षो से नेरोबी वेस्ट हॉस्पीटल कैपिटल ऑफ केन्या में आईसीयू स्पेशलिस्ट के रूप में सेवाएं प्रदान कर रहे है। हाल ही में उनकी मेडिकल सुपरिटेंडेंट के पद पर पदौन्नति हुई है।

डॉक्टर ललित पंवार दिल्ली अस्पताल में लड़ रहे है कोरोना से जंग पिता से कहा कि मैं एक फाइटर हूं, कोरोना को हराना है:

पोकरण। विश्व में कोरोना वायरस की महामारी का प्रकोप बढ़ रहा है। वहीं भारत में भी कोरोना वायरस के मरीजों के मिलने की संख्या बढ़ने लगी है। इस महामारी के प्रकोप के बीच पोकरण नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष छोटेश्वरी आईदान माली के पुत्र डॉ. ललित पंवार दिल्ली के एम्स अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कोरोना मरीजों के बीच रहकर उनकी सेवा कर रहे हैं। पंवार कोरोना मरीजों के बीच उनकी सेवा करने के साथ पूर्ण ध्यान रखते हुए खुद को भी इस बीमारी से बचाए रखने का कार्य कर रहे है। डॉ. ललित पंवार ने बताया कि जहां इन दिनों कोरोना वायरस को लेकर आमजन में भय बना हुआ है और सभी लोग अपने परिजनों के पास व गांव की ओर जा रहे हैं। वहीं मेरे पिता ओसिया तहसीलदार आईदान पंवार का मेरे पास फोन आया। उन्होंने कहा कि मैं एक फाइटर हूं और यह एक जंग है। जिसमें मुझे अपने दुश्मन कोरोना वायरस को हराना है और साथ ही अपने आप को भी बचाना है। उन्होंने कहा कि मेरे पिता हमेशा मुझे प्रेरणा देते हैं और हमेशा कार्य के लिए प्रोत्साहित भी करते हैं।

95 प्रतिशत लोग है फ्लू से बीमार डॉ. ललित पंवार ने बताया कि हाल ही में मौसम में परिवर्तन आ रहा है और कोरोना वायरस का खतरा भी मंडरा रहा है। वहीं इन दोनों वायरस के लक्षण भी एक समान है। कोरोना वायरस में बुखार के साथ साथ सूखी खांसी, सांस फूलना तथा थूक के साथ खून भी आता है। ऐसे में अस्पताल में आने वाले 95 प्रतिशत लोगों फ्लू के लक्षण दिखाई देते हैं।

इस समय कोरोनो वायरस से सतर्कता बरतने के लिए चिकित्सा विभाग ने एमबीबीएस स्टूडेंट को अवकाश दे दिया हैं। ताकि वायरस से बचा जा सके। इन सब परिस्थितियों के बावजूद भी डॉ. पंवार दिल्ली में रहकर लोगो के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर उनका इलाज कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि धरती पर भगवान का दूसरा डॉक्टर होते हैं। भगवान इंसान को जन्म देता हैं। लेकिन किसी इंसान को बीमारी से बचाना डॉक्टर का प्रथम धर्म होता हैं। इसी को जहन में रखते हुए इंसानियत का यह पवित्र कार्य कर रहा हूं। वर्तमान में दिल्ली में रेंजीडेंट के रूप में सेवाए देने वाले पंवार 24 घंटे में 20 घंटे तत्पर रहकर लोगो को वायरस के बचाव करने में जुटे हुए हैं।

ड़ाक्टर सी. पी. सैनी, नई दिल्ली के बाबू जगजीवनराम अस्पताल मे दिन रात कोरोना पीड़ितो की सेवा मे ड्यूटी कर रहे है :

लक्ष्मण गढ़ निवासी शिक्षक महेन्द्र सैनी के पुत्र है डॉ. सी. पी. सैनी ने बताया कि कई मर्तबा चौबीस घण्टे भी ड्यूटी करनी पड़ती है उन्होने कहा कि कोरोना से ड़रे नही सोशल डिस्टेसिंग बनाये घर मे रहे सुरक्षित रहे देश भर के चिकित्सक व उनकी टीम सेवा मे जूटी है।

बोर्डर इलाके में कोरोना पीड़ितों के उपचार में जुटे डॉ. दिवेश कुमार सेनी :

चिड़ावा के डॉ दिवेश सैनी कोरोना की जंग में हमारे योद्धा बॉर्डर के इलाके में अपनी सेवाएं दे रहे है। दो साल से पोकरण सीएससी में कार्यरत डॉ. दिवेश कुमार सैनी पोकरण में जोधपुर हाइवे स्थिल लवां चैकपोस्ट पर डयूटी थी बाहर से आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है इनकी पत्नी डॉ. पूनम सैनी उदयपुर मेडिकल कॉलेज से पीजी कर रही है। इस कारण 5वर्षी बेटी ननिहाल सीकर में रह रही है।

एक ही परिवार के तीन योद्धा डॉ. रामबाबू सैनी, डॉ. राजेश सैनी और नर्सिंकर्मी कमलेश सैनी कोरोना कोविड-19 से जंग लड़ रहे है:

दूदू। पूरी दुनिया कोरोना वायरस से जूझ रही है। डॉक्टर नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ जान जोखिम में डालकर कोविड-19 से जंग लड़ रहे है। जयपुर के दूदू उपखण्ड क्षेत्र की पंचायत सेवा के एक ही परिवार के तीन योद्धा अपनों से दूर चिकित्सा क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे है। सेवा गांव निवासी रामनिवास सैनी के पुत्र चिकित्सक डॉ. रामबाबू सैनी झालावाड़ में आईसीयू में सेवाएं दे रहे है। उनकी पत्नी व बच्चे गांव में ही पिता के साथ खेती के काम में हाथ बंटा रहे है। जबकि रामनिवास सैनी के सगे भाई सत्यनारायण सैन के पुत्र डॉ. राजेश सैनी जेएनयू अस्पताल, जगतपुरा जयपुर में आइसोलेशन वार्ड में कोरोना मरीजों की सेवा में दिन रात जुटे हुए है। इसी प्रकार सत्यनारायण सैनी के दूसरे पुत्र नर्सिगकर्मी कमल सैनी वैशाली नगर जयपुर में एक अस्पताल में कोरोना संदिग्धों की सेवा कर रहे है। इस प्रकार एक ही परिवार के तीनों युवा अपनी जान जोखिम में डाल दिन रात कोरोना से पीड़ितों की सेवा कर सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहे है।

पांच माह के नन्हें की शक्त देखकर वापस लौट आते है नोडल अधिकारी डॉ. भूपेन्द्र सैनी :

धोलपुर। कोरोना से सीधे जंग लड़ रहे चिकित्सक परिवार को छोड़कर मानवता की सेवा में लगे हुए है। इसका उदाहरण है राजकीय सामान्य चिकित्सालय कोरोना आउटडोर के नोडल अधिकारी डॉ. भूपेन्द्र सैनी।

कोरोना संदिग्धों की स्क्रीनिंग से लेकर उनके नमूने लेने तथा इलाज करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे है डॉ. सैनी अभी तक करीब 160 मरीजों संदिग्धों की स्क्रीनिंग कर नमूने एकत्रित करवाएं है।

परिवार को समय नहीं दे पाने के कारण अपने बेटे की देखभाल के लिए अलवर से अपनी वृद्ध मां को बुलाया है। घर के अंदर जाने की रिस्क नहीं उठा सकते है। क्योंकि हम संक्रमित हो गए तो परिवार के लोगों की जान जोखिम में पड़ जाएगी।

कोरोना योद्धाओं को डॉ. सुनिता सैनी ने निःशुल्क दी दवा :

हनुमानगढ़। राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय की डॉ. सुनिता सैनी की

के द्वारा देश भर में की जा रही है अनुकरणीय सेवा

ओर से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए चिकित्सा कर्मियों, पुलिस जवानों व सफाई कर्मियों को नि:शुल्क दवा वितरित की। उन्होंने बताया कि सफाई कर्मी, चिकित्सा कर्मी, नर्सिंग स्टाफ व पुलिस जवान कोरोना वारियर्स की भूमिका निभा रहे है। ऐसे में इन्हें इस दवा की अधिक जरूरत है। डॉ. सुनीता के अनुसार कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकथाम में आर्सेनिक एल्बम नाम की होम्योपैथिक दवा काफी कारगर मानी जा रही है। अब तक कुल 400 इक्विटी बूस्टर किट का वितरण उनके द्वारा किया जा चुका है।

धांधेला के गजानंद और उनकी टीम ने कोरोना से लड़ने के लिए थ्री-डी फेस शील्ड और सस्ते वेंटिलेटर बनाए :

सीकर। कोरोना से लड़ाई के लिए आईआईटी रुड़की जूनियर रिसर्चर धांधेला-पाटन निवासी गजानंद सैनी और उनकी टीम ने स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए थ्री डी-फेस शील्ड और मरीजों के इलाज के लिए सस्ता पोर्टेबल वेंटिलेटर तैयार किया है। इस मॉडल का आईआईटी ने पेटेंट करवाया है। 450 कंपनियों ने वेंटिलेटर के उत्पादन में रुचि दिखाई है। गजानंद सैनी पाटन स्कूल के पूर्व छात्र है। वे बताते हैं कि पूरी दुनिया से लगातार रिपोर्ट आ रही थी कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच वेंटीलेंटर सहित अन्य संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ेगा। इसलिए हमारी टीम ने इस पर काम शुरू किया। प्रोफेसर अक्षय द्विवेदी, अरुप झा सहित आठ सदस्यों की टीम ने महज 10 दिनों की कड़ी मेहनत से ये उपकरण बना पाए। ;षिकेश एम्स के डश्वक्टर की निगरानी में ही यह वेंटीलेटर बनाया गया है। आधा घंटे में एक हजार थ्री डी फेस शील्ड बनाए जा सकेंगे।

क्या है थ्री डी फेस शील्ड : जांच करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए थ्री डी प्रिंट फ्रेम वाला खास फेस शिल्ड बनाया है। चश्मे की डिजाइन वाला प्रोटेक्शन शील्ड पूरे चेहरे और गर्दन को नीचे तक कवर करता है। इस ट्रांसपैरेंट शीट को आसानी से बदला जा सकता है। इसे सेनेटाइज भी किया जा सकता है।

बूंदी के नवीन सुमन ने फ्रंटलाइन वॉरियर्स के लिए बनाई फेस शील्ड :

बूंदी। कोरोना के खिलाफ लड़ी जा रही जंग में फ्रंटलाइन वॉरियर्स के पास अपने बचाव के लिए एकमात्र सहारा मास्क ही है। ऐसे में कोरोना के खिलाफ लड़ी जा रही जंग में फ्रंटलाइन वॉरियर्स के पास अपने बचाव के लिए एकमात्र सहारा मास्क ही है। ऐसे में किसान के बेटे लंकागेट निवासी नवीन सुमन (22) ने फेस शील्ड तैयार की है, जो फ्रंटलाइन वॉरियर्स को संक्रमित व्यक्ति से बचाने में मददगार साबित होगी।

बी. टेक कर चुके नवीन का दावा है कि इस शील्ड की मदद से चेहरा पूरी तरह से सेफ रहेगा। वश्वरियर्स अपने चेहरे पर बार-बार हाथ नहीं लगा सकेंगे। फेस शील्ड तैयार किए जाने के बाद नवीन सुमन के पास देश के अलग-अलग राज्यों से डिमांड पास आ चुकी है। पीसीसी सचिव भरत शर्मा ने कोटा- बूंदी पुलिस को निशुल्क यह शील्ड दिलवाई है। आईजी को दी, जो उन्होंने पुलिसकर्मियों को दिलवा रहे हैं। शील्ड अब तक स्थानीय सामग्री से बनाई गई है।

अभी ओएचपी शील्ड से तैयार कर रहे शील्ड : नवीन सुमन बताते हैं कि अभी इसमें ओएचपी शील्ड का उपयोग किया गया है। सिर पर बेल्ट के सहारे से यह शील्ड फेस को पूरी तरह से पैक कर देती है। वे पीईटी शील्ड का उपयोग करना चाह रहे हैं, जो एंटी फोगिंग रहेंगे। इसे चाहे तो सेनेटाइज कर यूज किया जा सकता है। नवीन एलोविरा की बैटरी बनाकर ग्लोबल विनर रह चुके हैं। उन्होंने स्पेन में इसका डेमो दिया था। इसके अलावा वे नासा, इंटेल, एप्पल हैडक्वार्टर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वे एलोविरा कंपनी के लिए सेल बनाने का रजिस्टर्ड काम करते हैं।

नर्सिंग ऑफिसर रामपाल सांखला :

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद बिलाड़ा जोधपुर में रामपाल सांखला निरंतर पिछले 1महीने से बिना किसी अवकाश के दिन रात अपनी सेवा अस्पताल में दे रहे हैं इसके अलावा समाजिक जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री एवं दवाइयां वितरित की जा रही है।

नर्सिंग ऑफिसर राकेश गहलोत :

माथुर अस्पताल, जोधपुर में संचालित कोवड 19 विंग में चिकित्सक, नर्सेज, लैब टेक्नशियन, फार्मासिस्ट,समर्पित भाव से कोरोना से सामना कर रहे हैं। समाज के नर्सिंग अश्वफिसर राकेश गहलोत निरंतर पिछले 01 सप्ताह से बिना किसी अवकाश के दिन रात अपनी सेवा अस्पताल में दे रहे हैं इसके अलावा समाजिक जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री एवं दवाइयां वितरित की जा रही है।

नर्सिंग ऑफिसर हिम्मत सिंह परिहार :

महात्मा गांधी अस्पताल, जोधपुर में कोरोना महामारी के मरीजों की सेवा दिन रात कर रहे समाज के युवा हिम्मत सिंह परिहार। यहीं नहीं आप हर समय अस्पताल में भर्ती समाज के रोगियों के मदद के लिए पूर्व में भी सुचना मिलने पर सेवा के लिए तत्पर रहते है।

नर्सिंग ऑफिसर सगे भाई हरिसिंह सैनी एवं भाई नरेन्द्र कुमार सैनी :

नई दिल्ली के लोकनायक अस्पताल में हरिसिंह सैनी एवं राम मनोहर लोहिया अस्पताल में नरेन्द्र कुमार सैनी कोरोना मरिजों की सेवा कर रहे है उन्होंने बताया कि परिवार के लोग नीमकाथाना में हैं। उनसे केवल वाट्सएप पर ही बात होती है। दोनों भाईयों ने कहा कि हम कोरोना महामारी से अंतिम दम तक लड़ेंगे और जीतकर आएंगे।

संदिग्ध रोगियों के सैंपल जयपुर लेकर जाने का जोखिम भरा कार्य 24घटे कर रहे है एम्बुलेंस चालक 55 वर्षीय प्रेमरतन सांखला :

डीडवाना निवासी प्रेमरतन सांखला ने सबकुछ भुलाकर एक ही उद्देश्य अपना लिया है कि कोरोना को हराना है। राजकीय बांगड़ अस्पताल के चालक है प्रेमरतन और जब से लॉक डाउन आरंभ हुआ है वो घर नहीं गए है। वो संदिग्ध रोगियों के सैंपल जयपुर लेकर जाने का जोखिम भरा कार्य कर रहे है।

नर्स ग्रेड सैकंड मनीषा सैनी मां बोली बेटी पर गर्व है:

चुरू में अस्पताल में कार्यरत चिड़ावा की बेटी मनीषा सैनी 13 मार्च से लगातार कार्य कर रही है सिर्फ वीडियों कॉल से ही घरवालों से बात होती है उनकी। जब भी चुरू में पॉजिटिव केस आता है तो परिवार वाले डर जाते है और मां तुरंत फोन करती है, कहती है बेटा ध्यान रखना। रूंधे गले से कहती है हमें बेटी पर गर्व है।

नर्सिंग ऑफिसर नीरज सैनी :

बल्लभ भाई पटेल गवर्नमेंट मेडिकल कश्वलेज, अहमदाबाद गुजरात कोरोना पॉजिटिव आइसोलेशन में समाज के युवा नीरज सैनी डयूटी पर कार्यरत हैं। अस्पताल में इन दिनों कोरोना के संदिग्ध रोगी रोगियों का इलाज करने में जुटे हैं अस्पताल में सेवा दे रहे हैं 18 मार्च से संभावित कोरोना संक्रमितो की जान बचाने में जुटे हुए हैं।

सीनियर स्टॉफ नर्स सरोज देवड़ा :

जोधपुर के मथुरादास माथुर हश्पिस्टल में सीनियर स्टाफ नर्स के रूप में सरोज देवड़ां कोरोना मरीजों के वार्ड में कार्यरत है। उन्होने बताया कि घर पर जा नहीं सकती, डयूटी के बाद होटल में ही रहना होता है, यहां की जानकारियाँ हमें ही होती है। उनसे PPE किट पहनकर पानी पीने के बारे में, खाना कैसे खाते हो अन्य जरूरी क्रियाएँ कैसे करते हो ? तो उसने जो बताया वह सुनकर तो मैं हिल गया कि यह सब करके ही डयूटी प्रारंभ करनी होती है। पूरी डयूटी के दौरान न तो पानी पी सकते हो न ही जरूरी प्राकृतिक क्रिया कलाप ही कर सकते हैं।

कोरोना मरिजों के नेगेटिव सेम्पल के लिए दुआ करता मेल नर्स खुशालीराम टाक :

नागौर। नौकरी लगते ही स्वाइन फ्लू और अब कोरोना वायरस संक्रमण की आंशका से ग्रसित मरीजों का संग। जेएलएलए अस्पताल के आईसोलेशन वार्ड में मुस्तैदी से डयूटी कर रहा है युवा खुशालीराम टाक जिनके पिता घर पर बीमार है और उनसे नहीं मिलने का मलाल भी है। घर के बाहर ही गरम पानी से नहा कर घर के बाहर बने कमरे में रहता है तथा बाहर से ही बेटा बेटी से बात कर लेते है।

मनीष सैनी एम्स ऋषिकेश में दे रहे है सेवाएं :

झुंझनूं। मोतीसिंह की ढाणी निवासी स्व. विश्वनाथ सिंह के पुत्र मनीष सैनी उत्तराखण्ड के ऋषिकेश स्थित ऐम्स में कोरोना पीड़ित रोगियों की एक माह से सेवा कर रहा है। उसने बताया कि लॉक डाउन के चलते घर आना दूभर है। अस्पताल में पूरी सेवा और साफ सफाई का पूरा ध्यान रखना पड़ता है।

कैलाश सैनी कोरोना आइसोलोशन वार्ड में इलाज करने में जुटा :

करौली। रतियापुरा निवासी कैलाश सैनी कोरोना पीड़ितों की सेवा में पूरे समर्पण भाव से जुटा हुआ है। यूपी के ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया हॉस्पीटल में इन दिनों कोरोना पॉजिटिव आइसोलेशन वार्ड में पिछले 20 दिनों से अपनी जान जोखिम में डालकर निरंतर सेवाएं प्रदान कर रहा है।

एक समय को भोजन कर सेवा कर रहा है नर्स ग्रेड प्रथम जगमोहन माली :

करौली। यूं तो जिला अस्पताल में मरीजों की सेवा के लिए पूरा चिकित्सा प्रशासन लगा हुआ है। नर्सिगकर्मी अपनी ड्यूटी पूरी जिम्मेदारी से निभा रहे है

लेकिन नर्स ग्रेड प्रथम जगमोहन माली ने 7 मार्च को ही आईसोलेशन वार्ड का जिम्मा मिलने के बाद मरीजों का आना शुरू हो गया। वे 22 दिनों से लगभग एक ही समय भोजन कर रहे है सुबह 8 बजे से रात को लगभग 8 बजे वे अपने घर पहुंचते है।

बालेसर में माली युवा संघटन द्वारा 65 यूनिट रक्तदान

बालेसर। लोकडाउन के कारण अस्पतालों में ब्लड की कमी को पूरा करने हेतु आज माली युवा संघटन द्वारा रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। समाज के युवा पूर्व कॉलेज अध्यक्ष मुकेश सांखला के अनुसार बालेसर गांव के छत्तीस कौम के युवाओं ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए रामस्नेही सन्त रामरतन महाराज, रामप्रियदास महाराज एवं गाँव के वरिष्ठ बुजुर्गों के सानिध्य में युवाओं एवं मातृशक्ति ने 65 यूनिट ब्लड का रकदान कर इस आपातकाल में अपनी निःस्वार्थ भागीदारी निभाई। इस पावन सेवा में बालेसर एसडीएम महावीर सिंह जोधा, उप अधीक्षक राजुरामजी चौधरी एवम तहसीलदार आईदानराम पंवार भी उपस्थित रहकर रक्तदाताओं का हॉसला बढ़ाया।

नमन है ऐसे कोरोना वीरों को जो विषम परिस्थितियों में रहते हुए अपने जीवन को संकट में डाल कर मानव सेवा के लिए दिन रात एक किए हुए है।

हैण्ड सैनिटाइजर की कालाबाजारी पर रोक के लिए डा. पृथ्वीराज सांखला ने बनाई योजना

जयपुर। हैंड सैनिटाइजर के मूल्य निर्धारण और जमाखोरी रोकने के लिए डॉ. पृथ्वीराज. सांखला (IAS) के निर्णय से प्रदेश को मिली बड़ी राहत।

गंगा नगर चीनी मिलों की 5 इकाइयों और 5 निजी भट्टियों के माध्यम से राज्य सरकार, प्रतिदिन 5लाख बोतल हैंड सैनिटाइजर की आपूर्ति करती है। इससे राज्य में हैंड सैनिटाइजर के मूल्य निर्धारण और जमाखोरी को कम करने में मदद मिलती है और सभी 33 जिलों और राजसथान के प्रमुख शहर में अस्पतालों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और कोरोना योद्धाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होती है।

गंगा नगर चीनी मिलों के सीएमडी के रूप में, मुझे यह विशेषाधिकार मिला है कि हम अपने डॉक्टरों, स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों और कोरोना योद्धाओं को अच्छी गुणवत्ता वाले सैनिटाइजर के साथ बेहतर तरीके से लड़ने में मदद करें। राजस्थान पहला राज्य था जिसने बड़े पैमाने पर सैनिटाइजर का उत्पादन किया। 2 अप्रैल, 2020 तक हमने 29.80 लाख बोतल सैनिटाइजर की आपूर्ति की है। अब हर दिन हम या तो मुफ्त में या रियायती कीमतों पर 5.00 लाख बोतल की आपूर्ति कर रहे हैं। कुछ दिनों में हम देहली और आसपास के अन्य राज्यों को हैंड सैनिटाइजर की आपूर्ति करेंगे। जोधपुर में गंगानर शुगर मिल के प्रभारी आबकारी अधिकारी दिनेश गहलोत ने बताया कि यहां 2 दिन में 20 हजार पव्वे सैनिटाइजर के बना दिए है। डॉ. पृथ्वीराज सांखला ने प्रदेश के सभी वर्गो को स्वच्छ रहने की अपील की साथ ही कामना की प्रदेशवासी स्वस्थ और इस वायरस से जल्द निजात पाएं।

आईएस राहुल बोले लगातार ड्यूटी के बाद भी मनोबल ऊंचा

मेड़ता रोड़ निवासी राहुल भाटी यूपी के गौतमबुद्ध नगर में सहायक पुलिस अधीक्षक पद पर तैनात है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए वे प्रतिदिन 12 से 14 घंटे कार्य कर रहे है। कोरोना को हराने का जुनून ऐसा है कि पता ही नहीं चलता कब दिन निकल जाता है। उन्होंने कहा कि जिले में संक्रमण रोकने के लिए लॉकडाउन के प्रभाव में आने के बाद हर पुलिस स्टेशन के जाब्ते को बैरियर और नाकों पर लगा दिया गया है, आसपास के जिलों के साथ लगी सीमाओं को सील कर दिया गया है। कुछ इलाकों में हॉट स्पॉट चिन्हित कर पूरी तरह से सील कर किया गया है। डोर टू डोर डिलीवरी से आवश्यक सामान उपलब्ध कराया जा रहा है। हॉट स्पॉट वाले स्थानों पर एसीपी रैंक के अधिकारियों को पर्यवेक्षण हेतु लगाया गया है। कड़ी धूप में लगातार ड्यूटी के बाद भी पुलिसबल का मनोबल जिले में काफी उच्च है। पुलिस बल की सुरक्षा का हरसंभव प्रयास कर रहे है। चैक पोस्ट पर ही मास्क, सेनिटाइजर, धूप से बचने के लिए छाता, कैप, पानी की बोतल व खाना पहुंचा रहे है।

डॉ प्रतीक्षा सैनी बनीं पहली चिकित्सा अधिकारी

सहारनपुर। डॉ. प्रतीक्षा सैनी पत्नी डॉ. अरुण सैनी का चयन लोक सेवा आयोग द्वारा चिकित्सा अधिकारी के पद पर किया गया। जानकरी अनुसार डश्व प्रतीक्षा सैनी का जिला सहारनपुर में केवल एक का ही चयन हुआ है। डॉ. प्रतीक्षा सैनी ने अपनी इस सफलता के पीछे अपने माता पिता का आशीर्वाद व उनके सुसराल वालो का सहयोग और उनकी कठिन परिश्रम का होना बताया, जिसके लिए उन्होंने सभी का धन्यवाद किया। ग्राम प्रधान बालेश सैनी ने कहा कि हमे गर्व व खुशी है कि हमारी ग्रामपंचायत से एक चिकित्सा अधिकारी बनी है सबसे बड़ी बात तो यह है कि एक महिला ने इस मुकाम को पाया है इस लिए सभी को इससे सीख लेनी चाहिए कि लड़की लड़के में भेद भाव न कर सभी को पढ़ाएं लिखाएं।

हार्दिक बधाई

राजस्थान पुलिस के अधिकारी **शैलेन्द्र पंवार** को उप निरीक्षक पुलिस से निरीक्षक पुलिस CI (राजस्थान पुलिस) के पद पर पदोन्नति होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

संतोष सांखला
9252067133
9414359805

नेमीचंद सांखला
9529551444

आ. पी. तंवर
9414117306

तंवर मार्बल
मूर्ति एण्ड हैण्डीक्राफ्ट

हमारे यहां मार्बल स्लैब, टाईल्स, मंदिर मूर्ति, जाली, पालकी, मार्बल फ्लॉवर व हैण्डीक्राफ्ट आदि का कार्य किया जाता है।

M Marble Art (Android Apps on Gooble Play Store)

E-Mail : marbletanwar@gmail.com

शोरूम : सैनी कॉम्पलैक्स, 1 फ्लोर, शॉप नं. 40, रेल्वे स्टेशन के पास, मकराना (राज.)

जाखोड़ा ग्राम पंचायत की सरपंच हेमलता सैनी को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार

कोटा। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवास पर 24 अप्रेल को जिले की लाडपुरा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत जाखोड़ा को राष्ट्रीय पंचायत अवार्ड के अंतर्गत नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

यह पुरस्कार प्राप्त करने वाली जाखोड़ा ग्राम पंचायत राजस्थान की एकमात्र ग्राम पंचायत है। राज्य की ग्राम पंचायतों से 22 प्रश्नावली भरवाई गई थी। सभी प्रश्नों के अलग अलग अंक निर्धारित थे। कुल 100 अंक का मूल्यांकन किया गया। भौतिक सत्यापन में जाखोड़ा ग्राम पंचायत को श्रेष्ठ कार्य के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया। सरपंच हेमलता सुमन ने बताया कि जिले के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह राष्ट्रीय स्तर का पुरूस्कार है। सरपंच हेमला सुमन सैनी ने बताया कि पुरस्कार के चयन के मानक काफी व्यापक थे। मुख्य रूप से ग्राम सभा एवं पाक्षिक बैठकों की जानकारी, विशेष ग्राम सभा, ग्राम सभा में उपस्थिति, ग्राम सभा में अनुसूचित जाति और जनजाति की उपस्थिति, महिलाओं की उपस्थिति, ग्राम सभा में आए मुद्दों पर चर्चा, वार्ड सभा, महिला सभा, ग्राम पंचायत विकास योजना, सामाजिक अंकेक्षण, पंचायत के दस्तावेजों का रखरखाव सहित कई अन्य बिंदुओं पर भी जानकारी मांगी गई थी। इसमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के कारण जाखोड़ा ग्राम पंचायत को नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार के लिए चुना गया। समाज की मातृशक्ति द्वारा सरपंच पद पर सभी को साथ लेकर उत्कृष्ट कार्य कर राष्ट्रय स्तर पर सम्मानित होना हम सभी के लिए गर्व की बात है हम हेमलता सुमन को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करते है

किरण और लक्ष्मी सैनी ने विषम परिस्थितियों में लहराया परचम

सीकर। यह कहानी है राजस्थान के सीकर शहर के राधाकिशननपुरा निवासी अश्वटो चालक मुरारका प्रसाद सैनी की बेटियों की यदि मन में कुछ करने का जुनून हो तो मुसीबत खुद राह से हट जाती है। बचपन से घर में अभाव देखे लेकिन मन में एक जूनून सरकारी नौकरी हासिल कर माता-पिता के चेहरे पर खुशी लाने का, पिता अश्वटो चालक और माता गृहिणी। इनकी दो बेटियों ने अपनी मेहनत के दम पर सफलता का परचम लहराया है। तीन महीने के अंतराल में राजकीय सेवा में चयन हो गया है। सैनी ने रिक्शा चलाकर अपनी बेटियों के सपनों का पूरा करने में जुटा रहा।

बकौल सैनी, बचपन से ही बेटियों की पढ़ाई के लिए संघर्ष किया। दोनों बेटियों ने सरकारी नौकरी लगकर बड़ा ख्वाब पूरा किया है। बड़ी बेटी किरण सैनी पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय में कनिष्क लेखाकार पद पर लगी है।

वहीं छोटी बेटी लक्ष्मी सैनी को अजमेर विद्युत विभाग के सबलपुरा पावर हाउस सीकर के एक्सईएन विजिलेंस टीम में कनिष्क लेखाकार के पद पर नियुक्ति मिली है।

यह सोच आई काम : अश्वटो चालक मुरारका प्रसाद सैनी ने बताया कि उन्होंने कभी भी बेटा-बेटियों में भेद नहीं किया। दोनों बेटियों को पढने-लिखने का भरपूर अवसर दिया। नतीजा यह रहा कि बेटियों ने भी मेहनत करने में कोई कमी नहीं छोड़ी और आसमां छू लिया।

समाज की एक मात्र ऑन लाईन पत्रिका माली सैनी संदेश
आप कहीं भी पढ़नें के लिए लॉग ऑन करें :
www.malisainisandesh.com

पेज 11 से आगे...

सहयोग से ज्योतिबा फूले संस्थान, रतनगढ और संस्थान के कार्यकर्ता के द्वारा जरूरत मन्दो को खाद्य सामग्री का 17 दिनो का नि:शुल्क वितरण सफलतापूर्वक हुआ पूर्ण हुआ। इसमें जरूरतमंदों को आलू, प्याज, हरीमिर्च व आटे का नि:शुल्क वितरण किया गया।

मानव की सेवा सर्वोपरि : सेवाराम दगदी

परवतसर। ऑल इंडिया माली सैनी सेवा समाज (रजिस्टर्ड) पश्चिमी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष सेवाराम दगदी ने विवाह की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर कोरोना कविड-19 के बचाव के लिए चल रहे लॉक डाउन के अंतर्गत कार्य कर

रही प्रशासनिक व अन्य विभागों की टीमों के लिए मास्क, सेनिटाइजर, गल्वज व पानी की बोतलें उपलब्ध करवाई। सेवाराम दगदी ने बताया कि कर्मवीरों को 100 एम-95 मास्क, 500 थ्री लेयर मास्क, 200 हैंड ग्लवज, 100 सेनिटाइजर एवं 500 पानी की बोतलें एवं हाईपोक्लोराईड पम्प विभिन्न विभागों व स्थानों पर उपलब्ध करवाया। उन्होंने कहा कि सेवा सर्वोपरि है। वर्तमान स्थिति में कोरोना महामारी के दौरान हमें प्रशासन के साथ ही आमजन के सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। महामारी का समय है इसलिए लोग घरों में ही रहे और सुरक्षित रहे। साथ ही पुलिस व प्रशासन का पूरा सहयोग करें। सेवाराम दगदी के इस पुनीत सेवा कार्य के लिए अनेकों समाजसेवियों ने हार्दिक आभार प्रकट कर उनके वैवाहिक जीवन पर मंगलकामनाएं प्रेषित की।

तिंवरी में समाज के युवा गांवों में बांट रहे है निशुल्क सब्जियां

तिंवरी। लॉकडाउन में जहां अनेक दुकानदार निर्धारित मूल्यों से अधिक राशि वसूल कर सामान बेच रहे है, वहीं तिंवरी कृषि क्षेत्र के सब्जी उत्पादक किसान लॉक डाउन में नि:शुल्क सब्जियां बांट अनुकरणीय उदाहरण पेश कर रहे है। युवा किसान व सामाजिक कार्यकर्ता गत 15 दिनों से कस्बे सहित बालरवा, बिजवाड़िया, बड़ा कोटेचा, बस्सी, रामपुरा सहित अनेक गांवों में जाकर जरूरतमंदों लोगों को सब्जी उपलब्ध करा रहे है। नि:शुल्क सब्जी बांटने की शुरूआत बालरवां के युवा किसानों ने की। इन से प्रेरित होकर तिंवरी सहित तहसील के अनेक गांवों में किसानों ने नि:शुल्क सब्जी वितरण शुरू किया। ये युवा किसान लोगों से सब्जी के बदले रूपए लेने की बजाए कोरोना को हराने के लिए घरों से नहीं निकलने का वादा ले रहे है

क्षेत्र के युवा किसान व सामाजिक कार्यकर्ता कृषि क्षेत्र से धनिया, पुदीना, ककड़ी, टमाटर, बैंगन, लोकी आदि सब्जियां अपनी निजी गाड़ियों में भरकर एकत्रित करते है। अधिकांश किसान सब्जी नि:शुल्क देते है वहीं कुछ किसानों से ये कार्यकर्ता लागत कीमत देकर सब्जियों को थैलियों में पैक करके अपने निजी वाहनों से मोहल्लों में घर घर पहुंचा रहे है। तहसील क्षेत्र में रोजना एक हजार से अधिक परिवारों तक सब्जी पहुंचाते है। भूमिपुत्रों द्वारा ताजी सब्जियां उपलब्ध करवाने से लोगों को राहत मिली है। इतना हीं नहीं क्षेत्र के दर्जनों किसानों ने सेवा करने वाले संगठनों को नि:शुल्क अनाज भी उपलब्ध करवाए है।

इस कार्य में समाज के युवाओं रामकिशोर परिहार, सांवर परिहार, ओ. पी. सोलंकी, बंशीलाल कच्छावाहा, रणवीर गहलोत, अचलसिंह गहलोत, सेती गहलोत, बबलू सोलंकी, कैलाश साँखला, किशोर परिहार और 7स्टार टीम के सभी युवा सदस्य दिन रात मेहनत कर रहे है।

करोनो माहमारी के चलते समाजबंधुओं ने जिस तरह समाज व राष्ट्र की जिस तरह भी हो सके मदद की है उनका माली सैनी सन्देश परिवार हार्दिक अभिनन्दन करता है।

जिले की 1500 हैक्टेयर भूमि में जैविक खेती से दोगुनी हुई आय 250 किसान बेच रहे उत्पाद, सप्ताह में तीन दिन होम डिलीवरी भी

बूंदी - जिले में पिछले तीन वर्षों में ऑर्गेनिक (जैविक) खेती की तरफ किसानों का रुझान बढ़ा है। जिले के नैनवां, हिंडौली...जिले में पिछले तीन वर्षों में ऑर्गेनिक (जैविक) खेती की तरफ किसानों का रुझान बढ़ा है। जिले के नैनवां, हिंडौली क्षेत्र में करीब 1500 हैक्टेयर में किसान जैविक खेती कर अपनी आय को दुगुना कर रहे हैं। ऑर्गेनिक सब्जियों, दालों, अनाज में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व और बिना पेस्टीसाइड के उत्पादन मिलने से लोग ऑर्गेनिक उत्पाद महंगे होने के बावजूद पसंद कर रहे हैं। अभी ऑर्गेनिक उत्पादन का बाजार नहीं होने से 250 किसान एक समूह बनाकर अपना उत्पादन बेच रहे हैं। समूह ने जैविक उत्पादन को बेचने के लिए सप्ताह में तीन दिन होम डिलीवरी सर्विस देना शुरू किया है। कोटा, बूंदी में किसानों को इसको अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

जिले में वर्तमान में करीब 1 लाख 70 हजार हैक्टेयर में किसान पारंपरिक खेती कर रहे हैं, जिसमें से 1500 हैक्टेयर में ऑर्गेनिक खेती की जा रही है। पिछले तीन साल से कृषि क्षेत्र में रासायनिक खाद के बढ़ते प्रयोग से होने वाले नुकसान को देखते हुए जीरो बजट खेती की ओर किसानों का रुझान बढ़ा है। जिले के किसान खेती में नवाचार कर अपनी आय बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। ऑर्गेनिक खेती से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली ग्रीन हाउस गैसों को रोकने में मदद मिलती है।

कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी, वैज्ञानिक डॉ. हरीश वर्मा ने बताया कि हरित क्रांति के बाद उत्पन्न हुई परिस्थितियों के कारण किसानों ने परंपरागत विधि छोड़ कर नई दिशा में कदम बढ़ाने से इसका परिणाम अब पर्यावरण प्रदूषण के रूप में दिख रहा है। कभी सेलिनाइजेशन व यांत्रिकरण के नाम पर उपजाऊ शक्ति बढ़ाने वाली विद्या आज उर्वराशक्ति को घटा रही है। मिट्टी की उपजाऊ क्षमता और पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए जैविक खेती सबसे कारगर तरीका है। इस विधि से खेती करने पर जहां जैव विविधता में वृद्धि होती है, वहीं उत्पाद की गुणवत्ता भी अच्छी होती है।

ऐसे हुई जैविक खेती की शुरुआत : किसान चौथमल सैनी ने बताया कि 7 साल पहले वह जयपुर के घराना गांव गए, वहां जैविक खेती देखी वहां से प्रेरणा मिली। इसके बाद कोटा किसान मेले में कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी लेकर सब्जियों, दालों का उत्पादन शुरू किया। जिंसों की मैचिंग चौन नहीं बनने से परेशानी होती थी, जिसके बाद ज्योतिबा फूले जैविक कार्य की कंपनी बनाई और किसानों को इससे जोड़ा। जिससे सब्जियों, जिंसों की वैरायटी तैयार हुई और बाजार तैयार किया। वर्तमान में कोटा में दो फार्म व तीन ब्रांच में माल बेचा जा रहा है। जैविक खेती में शुरुआती दो साल तक तो उत्पादन सामान्य ही रहता है। इसके बाद उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है। गेहूं जहां सामान्य खेती 2000 रुपए प्रति क्विंटल बिकता है, वहीं जैविक गेहूं 3000 से 3500 रुपए प्रति क्विंटल तक बिक जाता है।

फायदा यह...पौष्टिकता के साथ सब्जियों में बढ़ा स्वाद, कोटा और बूंदी में अच्छा रिस्पांस :

सिलोर निवासी किसान जितेंद्र सैनी ने बताया कि वह तीन साल से जैविक खेती कर सब्जियां उगाकर बाजार में बेच रहे हैं। ऑर्गेनिक सब्जियों का बाजार नहीं होने से घरेलू बाजार में इनको बेचा जा रहा है। रासायनिक उर्वरकों की बजाए इन सब्जियों में स्वाद और पौष्टिकता के साथ ही पेस्टीसाइड नहीं होने से लोग ज्यादा पसंद करते हैं। मिट्टी में तत्वों की आपूर्ति के लिए गोबर से तैयार किए गए जैविक खाद, बायोगैस स्लरी, नाडेप कम्पोस्ट, फास्फो कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट, नीलहरित शैवाल, एजोला का प्रयोग करते हैं। बीजोपचार में भी जैविक औषधियों का प्रयोग करते हैं। पेस्टीसाइड की जगह नीम के उत्पाद का उपयोग कीड़ों के नियंत्रण में करते हैं। परजीवी, परभक्षी, सूक्ष्म जीवों का उपयोग कीटव्याधि नियंत्रण के लिए करते हैं। नीम, करंज की पत्तियां, नीम के तेल, निंबोली का उपयोग पौधों के बचाव में किया जाता है, जिससे गेहूं, सब्जियों की पौष्टिकता के साथ स्वाद बढ़ता है और यह स्वास्थ्य को नुकसान भी नहीं पहुंचाता है। उन्होंने बताया कि राजफेड तैयार कर रहा अश्वगंधिन उत्पादन बेचने के लिए एक एप भी तैयार कर रहा है।

मेटाडोर से होम डिलीवरी : ऑर्गेनिक खेती कर रहे किसान चौथमल सैनी ने बताया कि ऑर्गेनिक खेती के उत्पाद का बाजार नहीं होने से इसको बेचना मुश्किल हो रहा था। इस ग्रुप में उपभोक्ता अपनी जरूरत की सब्जियों, अनाज, दालों की मात्रा की सूची और पता डाल देता है। ग्रुप में जुड़े ऑर्गेनिक खेती कर रहे किसान अपने माल की होम डिलीवरी कर देते हैं। करीब छह माह से सप्ताह में दो दिन शनिवार, रविवार को होम डिलीवरी कर रहे हैं। अब लोगों की डिमांड पर इसको बढ़ाकर तीन दिन किया है। अब बुधवार, शनिवार और रविवार को होम डिलीवरी दी जा रही है। अभी सब्जियों में फूल गोभी, टमाटर, बैंगन, गेहूं व दालों की सप्लाई दी जा रही है। इसके लिए एक-एक मेटाडोर तैयार की है, जिससे होम डिलीवरी की जाती है।

टाटका के किसान द्वारा उगाई पीलें व बैंगनी रंग की गोभी बनी लोगों के आर्कषण का केंद्र

बाबैन (हरियाणा)। आधुनिकता के इस युग में प्रत्येक क्षेत्र में अनेक आयाम स्थापित होते जा रहे हैं और विज्ञान के प्रयोगों के कारण बाजार में अनेक प्रकार की किस्में प्रत्येक क्षेत्र में देखने को मिल रही है। बाबैन क्षेत्र के गांव टाटका के किसान रमन सैनी द्वारा अपने खेतों में उगाई गई पीलें व बैंगनी रंग की गोभी आजकल क्षेत्र के लोगों के आर्कषण का केंद्र बिंदू बनी हुई है।

बाजार में पहले केवल सफेद रंग की गोभी ही देखने को मिलती थी लेकिन कुछ साल पहले से बाजार में हरे रंग की ब्रोकली गोभी आई थी जिसे लोगों ने काफी पंसद किया था। अब बाजारों की मंडियों में बैगनी व पीले की गोभी की नई किस्म भी आ चुकी है जिसकी ओर गृहिणीयों का ज्यादा ध्यान आकर्षित हो रहा है। यह बैगनी व पीले रंग की गोभी जहां देखने में आकर्षक दिखती है वहीं इसके खाने के फायदे भी अधिक हैं जिससे बाजारों में इसकी मांग निरंतर बढ रही है।

बाबैन क्षेत्र में भी एक किसान रमन सैनी टाटका ने अपने खेतों में बैगनी व पीले रंग की गोभी की फसल उगाई है जिसको अब वह शहर के बाजारों में बेचकर ज्यादा आमदन कमा रहा है। रमन सैनी ने बताया कि इस नई किस्म की गोभी के उगाने में कोई ज्यादा खर्च नहीं आता है और ना ही इस पर अलग से कीटनाशक प्रयोग किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इसकी बिजाई व रख-रखाव सफेद गोभी की तरह ही होता है लेकिन इससे आमदन सफेद गोभी के मुकाबले तीन गुणा ज्यादा हो रही है।

रमन सैनी ने बताया कि यह गोभी सफेद गोभी की तरह ही रसोई में बनाई जाती है और उसका स्वाद भी लाजवाब होता है। वहीं उसने बताया कि बैगनी व पीली गोभी की सब्जी खाने से कैंसर की बीमारी में भी राहत प्रदान करती है और इसमें सफेद गोभी से तीन गुणा प्रोटीन होता है जो सेहत के लिए ज्यादा लाभदायक है। उसका कहना है कि इस गोभी की दिल्ली जैसे बड़े बाजारों में मांग ज्यादा है लेकिन लक्षकडाउन के कारण बाहर जाने में दिक्कत हो रही है।

रमन सैनी ने इलाका के सब्जी उत्पादक किसान भाइयों से अपील की है कि सभी किसान भाई इस नई किस्म को खेतों में उगाए ताकि इसकी पैदावार में वृद्धि हो और बाजारों में बिक्री अधिक हो। उन्होंने कहा कि यदि किसान नई किस्म की खेती की पैदावार करेंगे तो उससे लोगों को बाजार में नई चीज देखने व खाने का मिलेगी और सब्जी उत्पादक किसानों का आर्थिक स्तर भी ऊंचा होगा।

महिला बॉडी बिल्डर गीता सैनी के सफलता की कहानी

गुड़गांव। आज हम आपको एक ऐसी लड़की के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्होंने ऐसे काम मे अपना नाम बनाया है जिसके बारे में बोला जाता है कि ये सिर्फ लड़को का काम है। एक समय था जब पहलवानी और बॉडी बिल्डिंग सिर्फ लड़कों के खेल माने जाते थे लेकिन हमारी इस बहन से उन सब बन्धनों को तोड़कर एक नया कीर्तिमान बनाया है और लोगों को ये सोचने पर मजबूर किया है कि म्हारी छोरी छोरों से कम हैं के।

दोस्तों हम बात कर रहे हैं गुड़गांव निवासी गीता सैनी के बारे में इन्होंने 21 साल की उम्र में बॉडी बिल्डिंग शुरू की और आज ये एक सफल बॉडी बिल्डर हैं।

असल मे इनके बॉडी बिल्डिंग में आने की कहानी बड़ी दिलचस्प है। हुआ यूं कि इनको अपना वजन कुछ ज्यादा लगा तो इन्होंने अपना वजन कम करने के लिए जिम जॉइन किया और इनका मकसद सिर्फ अपना वजन घटाना था। लेकिन इनको जिम का ऐसा चस्का लगा कि इन्होंने उसी को अपना कैरियर बना लिया।और आज ये एक सफल पेशेवर बॉडी बिल्डर हैं।

इन्होंने पहली बार मार्च 2017 में बॉडी बिल्डिंग चॉपियनशिप में भाग लिया और ये पहली बार मे ही टॉप 10 में जगह बनाने में सफल रहीं। उसके बाद फिर इन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

2018 में इन्हें सीनियर राष्ट्रीय चॉपियनशिप में कांस्य पदक मिला और एशियाई चॉपियनशिप में भी चौथा स्थान हासिल किया, इनकी हालिया प्रतियोगिता आईबीएनएफ (भारतीय बॉडीबिल्डिंग फेडरेशन) के तहत चेन्नई 2019 में आयोजित की गई थी, जहाँ इन्होंने गोल्ड मैडल जीता था। वर्तमान में ये पेशेवर बॉडी बिल्डर और जिम ट्रेनर के रूप में काम कर रही हैं, और अब ये आगे आने वाली प्रतियोगिताओ की तैयारियां भी कर रही हैं। इनका मानना है कि कड़ी मेहनत से सब कुछ हासिल किया जा सकता है। हमें गर्व है गीता सैनी पर हम सभी आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते है

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका) , पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) , पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासुदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश कावली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा) , भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाह, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी सोलंकी, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकुमार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फूलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चीखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चीखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाह, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झुमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकाराम कच्छवाह, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, कूड़ी फार्म, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिंवरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जवनारायण कच्छवाहा, चोखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर

ज्योति बा फूले जंयति पर आयोजित विभिन्न आयोजनों की झलकियां

1. सफाई कर्मचारियों का सम्मान धमेन्द्र एवं मीना सांखला द्वारा
2. गोपाल माली द्वारा राशन वितरण
3. परिवार द्वारा दिपदान
4. युवाओं द्वारा दैनिक उपयोगी सामग्री वितरण
5. महिलाओं द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम

श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
Jh t;ar lka[kyk]vkj-,l-,e-fo|kJe] tks/kiqj
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर

माली सैनी सन्देश

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षों से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब-साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई-पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे-टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए
डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु 400/-	पांच वर्ष रु 900/-	आजीवन रु 3100/-

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन /मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ________ पोस्ट ________ तहसील ________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रुपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज।)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)	
Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-
BLACK	
Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464,
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर कॉम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

कोरोना महामारी में समाज के दानदाताओं द्वारा किया गया आर्थिक सहयोग

मृदुभाषी और धार्मिक व सामाजिक कार्यों में अग्रणी 86वर्षीय श्रीमति भंवरी देवी कच्छवाहा पत्नी स्व. अमरसिंहजी (से.नि. प्रधानाध्यापक) ने मुख्यमंत्री कोष में अपनी पेंशन के बचत से रू.1,11,000 का सहयोग किया।

समाज सेवी, भामाशाह श्री जेठमल गहलोत की तरफ से मुख्यमंत्री राहत कोष मे रू. 1,11,000 किया गया योगदान।

जगदीश कच्छवाह (XEN, PWD) द्वारा धर्मपत्नी श्रीमती ममता कच्छवाह के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री कोविड-19 कोरोना रिलीफ फण्ड में रू 1,00,000 का किया गया सहयोग ।

महात्मा फूले जयंति के उपलक्ष्य में बालोतरा माली समाज द्वारा रू. 1,55,000 का सहयोग अध्यक्ष बाबूलाल गहलोत व प्रबुद्धजनों के द्वारा प्रदान किया गया।

डॉ प्रफुल्ल कच्छावाह एवं श्रीमती मीनाक्षी कच्छावाह ने कोरोना महामारी फण्ड में रू. 50,000 की राशि का किया योगदान

आदर्श हाडोती माली उत्थान समिति द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में रु 51,000 का सहयोग

सभी भामाशाहों का हार्दिक आभार अभिनंदन पुनीत सेवा कार्य हेतु

श्रीमान शैतान सिंह सोलंकी मंडोर निवासी द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में रू. 5,11,000 का सहयोग।

कैलाश राज सैनी चेयरपर्सन, महात्मा ज्योतिबा फुले ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के द्वारा राहत मुख्यमंत्री राहत कोष में रु 5,00,000 का सहयोग।

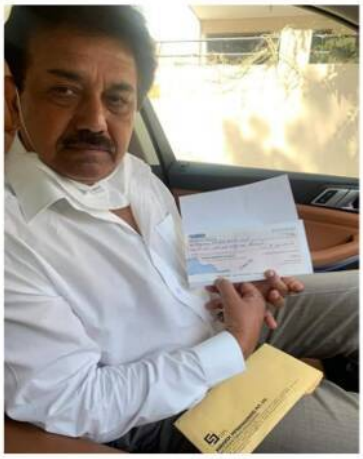

ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सैनी ने हरियाणा सरकार को 5 लाख रुपए देने की घोषणा की और 2लाख, 51हजार का चेक सौंपा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बड़ी बहन श्रीमती विमलादेवी धर्मपत्नी स्व श्री संतोष सिंह कच्छावाह ने अपने 94वें जन्म दिवस पर रू. 2,11,000 रुपये का सहयोग मुख्यमंत्री सहायता कोष में किया।

पत्थर उद्योगपति, समाजसेवी एवं भामाशाह जेठू सिंह कच्छावाह ने फुल कंवर कानाराम सेवा संस्थान, जोधपुर की ओर से कोरोनो मुख्यमंत्री राहत कोष में रु 2,51,000 रुपये का किया सहयोग।

भोजपुरी फिल्मों की एक्ट्रेस अर्पिता माली द्वारा झोपड़ पट्टी में रहने वाले गरीबों और मजदूरों के लिए रु 1,51,000 का किया गया सहयोग।

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR